आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 286 | उज्जैन, शुक्रवार 05 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अमानगंज में 106 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की देंगे सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 सितम्बर को पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा क्षेत्र के अमानगंज में आयोजित कार्यक्रम में 106.15 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 23 करोड़ 73 लाख रुपये के 9 विकास कार्यों का लोकार्पण और 82 करोड़ 42 लाख रुपये के 16 विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे।

इन विकास कार्यों का होगा लोकार्पण

लोकार्पित होने वाले कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 1.04 करोड़ रुपये की जल जीवन मिशन की गड़ोखर नल जल योजना, 2.11 करोड़ की बिल्हा सुरदहा नल जल योजना तथा 1.31 करोड़ की टिकरिया नल जल योजना, लोक निर्माण विभाग की 9 करोड़ 99 लाख की 15 किलोमीटर लंबाई की मकरंदगंज हरद्वाही गुन्नौर सड़क मार्ग का उन्नयन कार्य शामिल है। नगर परिषद अमानगंज अंतर्गत 90 लाख की लागत राशि से निर्मित क्रमशः ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्राम कुदरा झरकुवा में आवंटित भूमि की बाउंड्रीवाल, वार्ड क्रमांक 5 में झिरिया पुलिया तक नाला निर्माण और मिढ़ासन नदी के किनारे पुल घाट निर्माण कार्य शामिल है। इसी तरह वार्ड क्रमांक 9 में 47 लाख के खेल स्टेडियम बाउंड्रीवाल और 53 लाख की लागत से थाना तिराहा से वार्ड क्रमांक 14 गुन्नौर रोड में पानी टंकी तक नाला निर्माण का कार्य भी शामिल है। मुख्यमंत्री जल संसाधन विभाग के तहत 2 करोड़ 55 लाख से निर्मित मूलपारा बैराज शाहनगर और 4 करोड़ 83 लाख रुपए की लागत से निर्मित देवरी बैराज पवई का लोकार्पण भी करेंगे।

इन विकास कार्यों का होगा भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अमानगंज में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास, लोक निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग (भवन), म.प्र. भवन विकास निगम तथा दक्षिण वनमंडल के 82.42 करोड़ के कुल 16 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इनमें समस्त विकासखंड में 5 करोड़ 26 लाख रुपए की लागत से जनपद पंचायत भवन निर्माण, 1 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर में सीसी रोड, बाउंड्रीवाल, पेवर वर्क, नाली निर्माण तथा प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य शामिल है।

प्राइवेट कर्मचारियों को अब 9 की जगह करना होगा 10 घंटे काम, इस राज्य में लागू हुआ नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने बुधवार को निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अधिकतम कार्य अवधि को बढ़ा दिया है। सरकार ने इस संबंध में नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे करने के लिए कानूनों में संशोधन को मंजूरी दे दी है।

राज्य सरकार के बयान के अनुसार, कानून में परिवर्तन का मुख्य कारण निवेश को आकर्षित करना, रोजगार सृजित करना और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। बता दें कि राज्य सरकार के फैसले के बाद प्राइवेट कंपनियों के काम करने वालों को 9 की जगह 10 घंटे काम करना होगा।

महाराष्ट्र में बुधवार को सूबे के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में केंद्रीय कार्यबल द्वारा सुझाए गए बदलावों को मंजूरी दी गई है। बता दें कि महाराष्ट्र अब तमिलनाडु, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में शामिल हो गया है, जहां पहले ही ऐसे सुधार किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार द्वारा जारी बयान में बताया गया कि ये संशोधन, फैक्ट्री अधिनियन, 1948 और महाराष्ट्र दुकान एवं स्थापना (रोजगार और सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम 2017 में किए जाएंगे।

मुंबई-नासिक हाईवे पर भीषण हादसा, चट्टान से टकराकर तीन की मौत-ड्राइवर फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मुंबई-नासिक राजमार्ग पर एक विशाल चट्टान से टकराकर तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे कसारा घाट इलाके में एक होटल के पास हुई।

कसारा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सुरेश गावित ने बताया, ÷तेज़ गति और लापरवाही से चलाई जा रही कार एक मोड़ पर एक विशाल पत्थर से टकरा गई। टक्कर में वाहन में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक कूदकर मौके से फरार हो गया।

सरकारी अस्पताल में भेजा गया शव- उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रियाज हैसियत अली, असदुल्लाह और अफजल के रूप में हुई है। ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और इनकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान एअरबेस की मरम्मत शुरू, ब्रह्मोस मारकर भारत ने किया था ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान स्थिति से उबरने की कोशिश कर रहा है। उसने नूर खान एअरबेस की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। इस बात का खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए हुआ।

ताजा सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि नूर खान एअरबेस पर मरम्मत का काम चल रहा है। इस्लामाबाद से 25 किमी. से भी कम दूरी पर स्थित नूर खान एअरबेस पाकिस्तान वायुसेना की प्रमुख सुविधाओं और रणनीतिक उपकरणों का प्रमुख अड्डा है। 10 मई, 2025 को भारत ने मिसाइल से हमला किया था और इसे पाकिस्तान का डिफेंस सिस्टम रोकने में नाकाम साबित हुआ। इस हमले में एअरबेस को काफी नुकसान पहुंचा था और एक ड्रोन कमांड सेंटर तो पूरी तरह से तबाह हो गया।

भारत ने किया था ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल - हालाँकि भारत ने कभी पुष्टि नहीं की है कि उसने हमले में कौन सी मिसाइलों का इस्तेमाल किया, लेकिन इस बात की प्रबल संभावना है कि नूर खान स्थित प्रतिष्ठान को ब्रह्मोस या SCALP एअर-लॉन्च्ड लैंड अटैक मिसाइलों या दोनों से नष्ट किया गया हो। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, ब्रह्मोस को भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 लड़ाकू विमानों से, जबकि SCALP को राफेल से लॉन्च किया गया था।

नई और पुरानी तस्वीरों के मिलान करने से पता चलता है कि जिस प्रतिष्ठान पर हमला किया गया था, वहां हमलों से पहले दोनों ओर शामियाने लगे दो ट्रैक्टर-ट्रेलर ट्रक खड़े थे।

कश्मीर-हिमाचल से पंजाब तक बाढ़ का कहर, 100 से ज्यादा जिलों में आफत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में हालात बेहद खराब हैं। देश के कई शहरों में जलजमाव, सड़कों पर पीनी भर गया है। जिसके कारण जन जीवन पूरी तरीके से प्रभावित है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। जिसके कारण अब पानी आसपास के इलाकों में घुसने लगा है। मैदान से लेकर पहाड़ों तक बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। पंजाब इस समय बाढ़ से बुरी तरीके से प्रभावित है। पंजाब, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में बाढ़ के कारण स्थिति बेहद खराब है। पंजाब के कई जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश के आपदा प्रदेश घोषित कर दिया है। पंजाब में अभी तक 30 से अधिक लोगों की मौत की सूचना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, इस बाढ़ ने 67,000 एकड़ कृषि भूमि को नष्ट किया कर दिया है। वहीं, 3 लाख एकड़ से अधिक जमीन अभी भी बाढ़ के पानी में डूबी हुई है। स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियों का एलान कर दिया है। नए आदेश के मुताबिक राज्य में सात सितंबर तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में हो रही लगातार बारिश के कारण हालात बेहद खराब हो चले हैं। भूस्खलन और पेड़ों के गिरने के कारण बुधवार तक राज्य में विद्यालयों को बंद रखा गया।

पक्षी टकराने के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान की विजयवाड़ा से बेंगलुरु जाने वाली उड़ान को अचानक रद करना पड़ा। इसके बाद यात्रियों में हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि उड़ान भरने के लिए जब विमान रनवे पर टैक्सी कर रहा था, उसी वक्त एक पक्षी विमान से जा टकराया। इसके बाद इस उड़ान को रद कर दिया गया। एअरलाइन अधिकारी ने गुरुवार को इस संबंध में जानकारी दी है। अधिकारी के अनुसार, उड़ान भरने के लिए रनवे पर टैक्सी करते समय एक चील विमान के अगले हिस्से से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इसके वजह से एअरलाइन को उड़ान रद करनी पड़ी और यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी।

पीएम मोदी के कूटनीतिक दांव से बढ़ी ग्लोबल साउथ की धमक, पश्चिमी देश भी हो रहे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एससीओ सम्मेलन में जाना एक बड़ा कूटनीतिक दांव था। पीएम मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की एक फ्रेम में तस्वीरें देख कर पश्चिमी दुनिया बेचैन है।

अमेरिका और यूरोप के विशेषज्ञ और नेता इस अप्रत्याशित स्थिति के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार बता रहे हैं। ट्रंप टैरिफ के जवाब में भारत की रणनीतिक पैतरेबाजी से खुद अमेरिका हैरान है। भारत को लेकर आग उगल रहे ट्रंप और उनके सहयोगियों के सुर बदले हुए दिख रहे हैं। भारत, रूस और चीन की जुगलबंदी वैकल्पिक वर्ल्ड आर्डर का संकेत दे रही है।

चीन और भारत ने समझी व्यावहारिक जरूरत

चीन और भारत के संबंध दशकों से जटिल रहे हैं। इसका कारण दोनों देशों के बीच करीब चार हजार किलोमीटर सीमा का लेकर विवाद है। 2020 में गलवान संघर्ष के बाद यह संबंध बेहद खराब हो गए थे। हालांकि 2023 के बाद संबंधों में सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन ट्रंप 2.0 की नीतियों ने दोनों देशों को अहसास कराया कि बदली हुई परिस्थितियों में मतभेदों के बावजूद आर्थिक और दूसरे आपसी हितों के मुद्दों पर मिल कर काम करने की जरूरत है।

सारे अंडे एक टोकरी में रखने का जोखिम, व्यापार के मोर्चे पर भी विविधता जरूरी- ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद भारत में नीति निर्माताओं को अहसास हुआ कि सभी अंडे एक टोकरी में रखने का जोखिम क्या होता है। अमेरिका 30 ट्रिलियन डॉलर मूल्य के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। निर्यात के लिए अमेरिका के बाजार पर भारत की निर्भरता काफी अधिक है।

व्यापार संतुलन बड़े अंतर से भारत के पक्ष में है। ट्रंप शायद इसी को हथियार बना कर भारत से अपनी शर्तों पर व्यापार समझौता करना चाहते थे। नीति निर्माताओं को समझ आया कि विविधता न सिर्फ रक्षा आपूर्ति में जरूरी है बल्कि व्यापार के मोर्चे पर भी किसी एक देश पर अधिक निर्भरता राष्ट्रीय हितों को जोखिम में डाल सकती है। चीन 19 ट्रिलियन डालर के साथ दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है। चीन में निर्यात बढ़ाने की गुंजाइश भी है। चीन से आयात भी भारत जैसे तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था के लिए अहम है क्योंकि भारतीय उद्यमी चीन से कच्चा माल लेते हैं और उत्पाद बना कर निर्यात करते हैं।

हर मीटिंग के बाद के बाद क्यों साफ की जाती है किम जोंग उन की कुर्सी, रहस्य के पीछे की कहानी है खास?

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन इस समय चीन के दौरे पर हैं। चीन के बीजिंग में होने वाले सैन्य परेड में भी किम शामिल हुए। अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी तेजी से वायरल है।

दरअसल, पुतिन के बाद द्विपक्षीय वार्ता के बाद जैसे की किम वहां से निकले, उसके तुरंत बाद कोरियाई सुरक्षाकर्मी वहां पहुंचे और किम द्वारा छुई गई हर वस्तु को अच्छी तरीके साफ किया। जैसे की इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया, लोग हैरान होने लगे। बता दें कि इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से शेयर किया जा रहा है। विशेषज्ञों ने माना कि किम उन के सुरक्षाकर्मियों ने कुर्सी और टेबल पर चिपके हुए उनके डीएनए को हटाने की कोशिश कर रहे थे। इस प्रकरण को लेकर सोशल मीडिया पर एक नई बहस छिड़ गई है।

बुधवार को पुतिन और किम जोंग उन के बीच हुई बैठक- बता दें कि चीन की यात्रा के दौरान बुधवार दक्षिण कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मुलाकात हुई थी। इस दौरान किम जोंग ने चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग से भी मुलाकात की थी। दोनों नेताओं से मुलाकात के बाद किम के कर्मचारी अचानक उस जगह पहुंचे जहां पर किम बैठे थे। उन्होंने हर उस हिस्से को साफ किया, जिसे किम ने छुआ था।

गौरतलब है कि कर्मचारियों ने कुर्सी-मेज-ग्लास समेत वहां पर मौजूद हर एक वस्तु को साफ किया। उन्होंने उन सभी चीजों को साफ किया जिसके किम जोंग उन के छूने का शक हो। कर्मचारियों ने कुर्सी के हत्थे, पीठ, साइड टेबल को अच्छे साफ किया। इस पूरी घटना का एक वीडियो रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने शेयर किया है।

अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप ने मचाई भारी तबाही, मरने वालों की संख्या 2000 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को उत्तरी अफगानिस्तान में आए सबसे विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, बचाव कार्य अभी भी जारी है और हजारों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या 2200 से ज्यादा हो गई है।

जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पहाड़ी इलाकों में रविवार देर रात 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जब लोग सो रहे थे। इस भूकंप ने घरों को तहस-नहस कर दिया और पूरे के पूरे गांव तहस-नहस हो गए। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया, ÷घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए इन आंकड़ों में काफी बदलाव हो सकता है।÷ उन्होंने कहा, ÷भूकंप के कारण कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं, लेकिन उन्हें पुनः खोल दिया गया है। बाकी सड़कों को भी फिर से खोल दिया जाएगा, ताकि उन क्षेत्रों तक पहुंच संभव हो सके, जहां पहुंचना कठिन था।÷

हालांकि, अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी के एक अलग और अधिक गंभीर अनुमान के अनुसार 3,251 लोग घायल हुए हैं और 8,000 से अधिक घर नष्ट हो गए हैं। रविवार देर रात कई प्रांतों में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे गांव तबाह हो गए और लोग मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घरों के मलबे में फंस गए, जो झटके झेल नहीं पाए। भूकंप के बाद कई झटके भी आए।

ट्रंप की दादागीरी पर अमेरिकी कोर्ट का डंडा, हार्वर्ड की फंडिंग में कटौती का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के उस कदम को गैरकानूनी बताया है जिसमें उन्होंने हार्वर्ड की अरबों डॉलर की रिसर्च फंडिंग रोक दी थी।

जज एलिसन बरोज ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने यहूदी-विरोधी (एंटी-सेमिटिज्म) का हवाला देकर देश की शीर्ष यूनिवर्सिटी पर निशाना साधा है। ये कदम पूरी तरह गलत था। यह फैसला न सिर्फ हार्वर्ड के लिए राहत है, बल्कि यह अमेरिका में एकेडमिक आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर भी एक बड़ी जीत मानी जा रही है।

11 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड को एक पत्र भेजा था। इस पत्र में यूनिवर्सिटी से यहूदी-विरोधी गतिविधियों को खत्म करने और कुछ अल्पसंख्यक समूहों को फायदा पहुंचाने वाली डाइवर्सिटी इनिसिएटिव को बंद करने की मांग की गई थी।

पत्र में 10 मांगें थीं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों के दाखिले पर पाबंदी, थर्ड-पार्टी ऑडिट और डाइवर्सिटी, इक्विटी व इनक्लूजन प्रोग्राम्स को खत्म करना शामिल था। हार्वर्ड ने इन मांगों को ठुकरा दिया था।

150 साल तक जिंदा रहेंगे इंसान? पुतिन-चिनफिंग की सीक्रेट टॉक ने चौंकाया, सुनकर किम भी मुस्कुराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के 80वें विक्ट्री डे पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग जब कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे तो उसी दौरान एक हॉट माइक ने उन्हें अंग प्रत्यारोपण और इस संभावना पर चर्चा करते हुए कैद कर लिया कि इंसान 150 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं।

यह चर्चा उस समय हुई, जब पुतिन और चिनफिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ विजय दिवस परेड के लिए जा रहे थे। जब ये नेता बीजिंग में तियानमेन स्क्वायर जा रहे थे तो उसी दौरान पुतिन के ट्रांसलेटर को चीनी भाषा में यह कहते सुना जा सकता है, बायोटेक्नोलॉजी लगातार विकसित हो रही है।

ट्रांसलेटर ने आगे कहा, मानव अंगों का प्रत्यारोपण लगातार किया जा सकता है। आप जितने लंबे समय तक जीवित रहेंगे, आप उतने ही युवा होते जाएंगे। अमरता भी हासिल कर सकते हैं। कैमरे के सामने न आते हुए चिनफिंग ने इसके जवाब में कहा, कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं।

पुतिन के फैसले से हम या तो खुश होंगे या फिर..., ट्रंप ने रूस को फिर दी चेतावनी

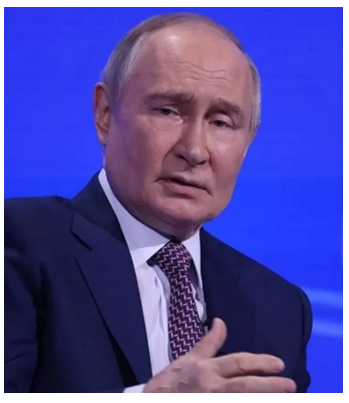

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के खिलाफ नई पाबंदियों की ओर इशारा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में चल रही जंग को खत्म नहीं करते, तो आप देखेंगे कि क्या होता है।

ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नावरोकी के साथ मुलाकात के दौरान ये बात कही। उनका ये बयान उस वक्त आया, जब पुतिन ने बीजिंग में चीन के शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के साथ मिलकर सैन्य परेड में शिरकत की और यूक्रेन में जंग जारी रखने की बात कही है।

ट्रंप ने साफ किया कि अगर पुतिन उनका जवाब सुनकर सही कदम नहीं उठाते, तो अमेरिका कड़े कदम उठाएगा।

उन्होंने हाल ही में भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए लगाई गई पाबंदियों का जिक्र करते हुए कहा कि ये तो बस शुरुआत है। ट्रंप ने कहा, आप इसे कोई कदम नहीं मानते? अभी तो दूसरा और तीसरा चरण बाकी है।

जेलेंस्की से बातचीत और यूरोपीय नेताओं का साथ- ट्रंप गुरुवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।

जेलेंस्की और यूरोपीय नेता पहले ही कह चुके हैं कि वो इस कॉल का इंतजार कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैं जल्द ही जेलेंस्की से बात करूंगा और मुझे पता चल जाएगा कि हमें आगे क्या करना है। पेरिस में होने वाली एक बैठक में कुछ यूरोपीय नेता आमने-सामने होंगे, जबकि कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे।

...तो वापस लेना पड़ सकता है टैरिफ, US सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले क्यों टेंशन में ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक बड़ी और महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में एक रेडियो शो के दौरान टैरिफ से लेकर विदेश नीति के मुद्दे पर बात की। उन्होंने इस शो के दौरान टैरिफ और अमेरिकी अदालत में इस मुद्दे पर चल रही सुनवाई पर भी बात की। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर अमेरिका सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ मामले में हार जाता है, फिर उसे यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया समेत अन्य देशों के साथ किए गए व्यापार समझौतों को रद करना पड़ेगा। इन्ही समझौतों में पारस्परिक टैरिफ पर बात हुई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका अगर अपने व्यापारिक समझौतों को रद करता है, फिर हमें काफी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से पिछले हफ्ते अमेरिकी अपील अदालत के उस फैसले को पलटने के लिए कहेगा, जिसमें उनके कई टैरिफ को अवैध करार दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनका प्रशासन इस मामले में जीत हासिल करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने यूरोपीय संघ के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत वे हमें लगभग एक ट्रिलियन डॉलर का भुगतान कर रहे हैं और सभी देश इस समझौते से खुश हैं। ये सभी सौदे हो चुके हैं।

आपको नई नौकरी ढूंढ लेनी चाहिए, पुतिन को लेकर रिपोर्टर के सवाल पर क्यों भड़के ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के खिलाफ कदम न उठाने के सवाल पर तीखा जवाब दिया और भारत पर लगाए गए सेकेंडरी सैंक्शन्स का हवाला दिया।

पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नावरोकी के साथ बैठक के दौरान एक पोलिश पत्रकार के सवाल पर ट्रंप भड़क गए। उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदने वाला सबसे बड़ा आयातक है। उसपर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर रूस को ÷सैकड़ों अरब डॉलर÷ का नुकसान पहुंचाया गया है।

पत्रकार के चुभने वाले सवाल से ट्रंप इतने खफा हो गए कि उन्होंने उसने नई नौकरी ढूंढने की नसीहत तक दे डाली।

फेज टू और फेज थ्री की कार्रवाई अभी बाकी- ट्रंप ने कहा कि भारत पर 25 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ के साथ-साथ रूसी तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया है, जो 27 अगस्त से लागू हो चुका है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि रूस के खिलाफ फेज टू और फेज थ्री की कार्रवाई अभी बाकी है।

ट्रंप ने पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा, आपको कैसे पता कि कोई कार्रवाई नहीं हुई? क्या आप कहेंगे कि चीन के बाहर सबसे बड़े खरीदार भारत पर, जो लगभग बराबर का ही है, सेकेंडरी टैरिफ लगाने से कोई कार्रवाई नहीं हुई? इससे रूस को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। आप इसे कोई कार्रवाई नहीं कहेंगे?

बंगाल विधानसभा में BJP-TMC विधायकों के बीच हाथापाई, चीफ व्हिप शंकर घोष सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में अभूतपूर्व हंगामा देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे ही प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ी हुईं विपक्षी भाजपा के विधायकों ने सीटों से खड़े होकर नारेबाजी शुरू कर दी।

पांच भाजपा विधायक निलंबित- लगातार नारेबाजी व सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने पांच भाजपा विधायकों- मुख्य सचेतक डॉ. शंकर घोष, अग्निमित्रा पाल, मिहिर गोस्वामी, अशोक डिंडा व बंकिम घोष को आज के लिए सदन की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। डेढ घंटे से अधिक समय तक सदन में दोनों तरफ से लगातार नारेबाजी व हंगामा चलता रहा।

सीएम दे रही थी भाषण, बीजेपी विधायक कर रहे थे नारेबाजी- मुख्यमंत्री के पूरे भाषण के दौरान भाजपा विधायकों ने जबरदस्त नारेबाजी की। इस दौरान सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायकों ने भी भाजपा को चोर-चोर बताते हुए नारेबाजी की। हंगामे की शुरुआत दोपहर 1.50 बजे तब हुई जब मुख्यमंत्री जैसे ही प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ी हुईं, भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने आरोप लगाया कि प्रस्ताव पर हमारे सभी वक्ताओं को स्पीकर ने बोलने नहीं दिया।

स्पीकर ने आरोपों को खारिज करते हुए प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों से बार-बार सीटों पर बैठने की अपील की लेकिन नारेबाजी जारी रही। यहां तक की सदन के बीचोंबीच आकर विपक्षी विधायक नारेबाजी कर रहे थे और कागज के टुकड़े भी फाड़कर फेंकें।

पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदा आई, पहाड़ी राज्यों में बाढ़-भूस्खलन को लेकर SC की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कई राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है।

कोर्ट ने आपदाओं का संज्ञान लेकर इन मामलों में केंद्र सरकार, एनडीएमए और चार राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि दो हफ्ते में जवाब दाखिल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की और सॉलिसिटर जनरल से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा है।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस जारी किए है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है।

मोदी-पुतिन की कार में सीक्रेट टॉक से उठ गया पर्दा, ट्रंप से क्या है इसका कनेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुलासा किया है कि उन्होंने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान अपनी शानदार रूसी औरस लिमो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अलास्का में हुई अपनी बातचीत का जिक्र किया था। यह मुलाकात कोई साधारण गपशप नहीं थी, बल्कि दो बड़े नेताओं के बीच गहरी और गोपनीय चर्चा का हिस्सा थी। पुतिन ने कहा, यह कोई राज नहीं है, मैंने उन्हें (मोदी) अलास्का में हुई बातचीत के बारे में बताया था।

31 अगस्त और 1 सितंबर को तियानजिन में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में 20 से ज़्यादा विश्व नेता और दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल थे। इस मौके पर पुतिन और मोदी की मुलाकात ने सबका ध्यान खींचा, खासकर जब दोनों ने पुतिन की बख्तरबंद औरस लिमो में करीब एक घंटे तक बातचीत की।

राष्ट्रपति पुतिन ने मोदी का इंतजार करीब 10 मिनट तक किया, फिर दोनों नेता लिमो में सवार हुए। मुलाकात के लिए जगह तक पहुंचने में 15 मिनट लगे, लेकिन दोनों ने गाड़ी में ही 45 मिनट और बिताए, क्योंकि उनकी बातचीत इतनी अहम थी कि उसे बीच में रोकना उन्हें मुनासिब नहीं लगा।

SC/ST Act पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, अग्रिम जमानत पर लगा दी ये शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचाक निवारण अधिनियम के तहत अग्रिम जमानत तभी स्वीकार्य की जा सकती है, जब प्रथम दृष्टया यह साबित हो सके कि यह साबित किया जा सकते कि इस अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं किया गया है।

दरअसल, चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के वी चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ये फैसला दिया। बता दें कि बेंच बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने वाले आदेश को रद कर दिया। बता दें कि शख्स पर कथित तौर पर अपीलकर्ता को उसके जाति के नाम का उल्लेख करके सार्वजनिक रूप से गाली दी थी और अपमानित किया था।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बताया जा रहा है कि जस्टिस अंजारिया द्वारा लिखित फैसले में यह उल्लेख किया गया कि प्रथम दृष्टया मामला एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3 के तहत दंडनीय अपराधों के तत्वों के आधार पर बनता है। कहा गया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को लोहे की छड़ से पीटा और उसके घर को जलाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता की मां और चाची के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया। साथ ही उन्हें भी जातिवादी गाली से संबोधित किया गया।

शिकायतकर्ता ने लगाए ये आरोप - कहा गया कि आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को उसके जाति के नाम से अपमानित किया था। इसके साथ ही घर जलाने की धमकी भी दी थी। इस दौरान मंगत्यानो शब्द का इस्तेमाल साफ तौर से शिकायतकर्ता को अपमानित करने के इरादे से किया गया। यह अपमान इसलिए किया गया क्योंकि शिकायतकर्ता ने आरोपी की इच्छा के अनुसार, विधानसभा चुनाव में एक विशेष उम्मीदवार को वोट नहीं दिया था।

तो इस्तीफा दे दो, मराठा आरक्षण को लेकर संजय राउत ने छगन भुजबल पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर भुजबल को लगता है कि मराठा आरक्षण के फैसले से ओबीसी समुदाय के साथ नाइंसाफी हुई है, तो उन्हें अपनी आत्म-सम्मान की खातिर और नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

राउत ने यह भी आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण आंदोलन को हवा देकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश की।

राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ओबीसी समुदाय के बड़े नेता भुजबल ने खुद माना है कि उनके समुदाय के साथ नाइंसाफी हुई। इसके बावजूद वह उस मुख्यमंत्री के अधीन काम कर रहे हैं, जिनके फैसले से यह नाइंसाफी हुई।

राउत ने तंज कसते हुए कहा कि अगर भुजबल को अपने समुदाय की इतनी फिक्र है, तो उन्हें मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे देना चाहिए।

कैबिनेट की बैठक से दूरी- छगन भुजबल ने बुधवार को मराठा आरक्षण पर सरकार के ताजा फैसले से नाराजगी जताई थी और कैबिनेट की बैठक में हिस्सा नहीं लिया। सरकार ने मंगलवार को एक आदेश (जीआर) जारी किया, जिसमें पात्र मराठों को कुणबी (ओबीसी) जाति प्रमाणपत्र देने की बात कही गई।

भुजबल को यह फैसला रास नहीं आया और उन्होंने इसे कानूनी तौर पर चुनौती देने की बात कही। राउत ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि कैबिनेट की बैठक से दूरी दिखाना यही बताता है कि भुजबल को मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं रहा।

अगर समुदाय की फिक्र है तो- राउत ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सी डी देशमुख ने जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से मतभेद हुए, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

मणिपुर में आएगी शांति! केंद्र से बातचीत के बाद कुकी-जो परिषद NH 2 खोलने के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में रोजमर्रा की जिंदगी की रीढ़ कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को फिर से खोलने का ऐलान हो चुका है। कुकी-जो काउंसिल ने केंद्र सरकार के साथ लंबी बातचीत के बाद यह फैसला लिया है कि अब इस राजमार्ग पर लोगों और जरूरी सामान की आवाजाही बिना किसी रुकावट के होगी। यह कदम मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।पिछले कई महीनों से मणिपुर में मैतेयी और कुकी-जो समुदायों के बीच तनाव के कारण यह राजमार्ग बंद था। इसकी वजह से न सिर्फ जरूरी सामान की सप्लाई रुकी, बल्कि आम लोगों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

अब कुकी-जो काउंसिल ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर इस रास्ते को खोलने का वादा किया है, ताकि मणिपुर के लोगों को राहत मिले।

केंद्र के साथ बातचीत के बाद निकला रास्ता- कुकी-जो काउंसिल और गृह मंत्रालय के अधिकारियों के बीच नई दिल्ली में कई दौर की बातचीत हुई। इन बैठकों का मकसद था मणिपुर में तनाव को कम करना और जरूरी सामान की आपूर्ति को फिर से शुरू करना।

गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, कुकी-जो काउंसिल ने भारत सरकार की ओर से तैनात सुरक्षा बलों के साथ मिलकर NH-2 पर शांति बनाए रखने का वादा किया है।

NH-2 मणिपुर को नगालैंड और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों से जोड़ता है। मई 2023 से शुरू हुए मेइती-कुकी तनाव के कारण इस राजमार्ग पर आवाजाही ठप थी।

इस तनाव से न सिर्फ हिंसा पनपा, बल्कि हजारों लोग बेघर हो गए और राहत शिविरों में रहने को मजबूर हुए। अब इस राजमार्ग के खुलने से उम्मीद है कि जरूरी सामान की सप्लाई बढ़ेगी और राहत शिविरों में रह रहे लोगों को मदद मिलेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृयोदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

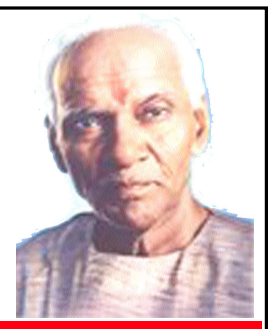

संपादकीय

डिजिटल युग ने शिक्षा के परिदृश्य को पूर्णत: परिवर्तित कर दिया

डिजिटल युग ने शिक्षा के परिदृश्य को पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। पहले शिक्षक कक्षा में ब्लैकबोर्ड और पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करते थे, किन्तु आज वे डिजिटल उपकरणों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑनलाइन मंचों के साथ मिलकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। आज जब हम डिजिटल परिवर्तन के शिखर पर हैं, शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान वितरक से बदलकर मार्गदर्शक, परामर्शदाता और नवप्रवर्तक की हो गई है। आज शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर शिक्षा को अधिक समावेशी, व्यक्तिगत और प्रभावशाली बना रहे हैं।

डिजिटल युग की शुरुआत इंटरनेट और कंप्यूटर के प्रसार से हुई, परन्तु 2020 की कोविड-19 महामारी ने इसे तीव्र गति प्रदान की। ऑनलाइन कक्षाएँ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा को घर-घर तक पहुँचाया। यूनेस्को की सन् 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में 80त्न से अधिक छात्र डिजिटल उपकरणों से जुड़े हैं। इस परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। वे अब केवल लेक्चर देने वाले नहीं, अपितु डिजिटल सामग्री निर्माता (कंटेंट क्रिएटर) हैं, जो वीडियो,इंटरएक्टिव क्विज और वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से, शिक्षा हमेशा तकनीकी प्रगति से प्रभावित रही है। प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली मौखिक थी, मध्ययुग में पुस्तकों का आगमन हुआ और अब डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन शिक्षण ने क्रांति ला दी है। ओईसीडी की हाल की रिपोर्ट में उल्लेख है कि शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के लिए प्रशिक्षित करना आवश्यक है, ताकि वे छात्रों को जोखिमों से बचाते हुए लाभ प्रदान कर सकें।

डिजिटल युग में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका मार्गदर्शक की है। वे छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित और निर्देशित करते हैं, न कि केवल सूचना प्रदान करते हैं। आज फ्लिप्ड क्लासरूम में छात्र घर पर वीडियो देखते हैं और कक्षा में विचार-विमर्श करते हैं। शिक्षक यहाँ मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो छात्रों की जिज्ञासा को सही दिशा देते हैं। दूसरी भूमिका परामर्शदाता की है। डिजिटल युग में सूचनाओं की प्रचुरता के बावजूद, छात्रों को सही दिशा की आवश्यकता होती है। शिक्षक व्यक्तिगत शिक्षण पथ तैयार करते हैं, जहाँ एआई के माध्यम से छात्र की कमजोरियों का विश्लेषण होता है और शिक्षक व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करते हैं। तीसरी भूमिका नवप्रवर्तक की है। शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर नवीन शिक्षण विधियाँ विकसित करते हैं। उदाहरण के लिए, वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से इतिहास की घटनाओं को जीवंत करना या खेल- आधारित शिक्षण द्वारा गणित सिखाना। एक अध्ययन के अनुसार, डिजिटल मंच शिक्षकों के ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देते हैं, जिससे वे वैश्विक स्तर पर सहयोग कर पाते हैं।

डिजिटल युग में शिक्षकों के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी चुनौती है डिजिटल डिवाइस। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और उपकरणों की कमी के कारण छात्र पिछड़ जाते हैं। यूनेस्को के अनुसार, सन् 2025 में भी विकासशील देशों में 40त्न शिक्षक डिजिटल उपकरणों से अपरिचित हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है, किन्तु कई देशों में यह अपर्याप्त है। ओईसीडी की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरी चुनौती साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की है। ऑनलाइन कक्षाओं में डेटा लीक का खतरा रहता है।

गोपीनाथ बोरदोलोई

गोपीनाथ बोरदोलोई भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और असम के प्रथम मुख्यमंत्री थे। इन्हें आधुनिक असम का निर्माता भी कहा गया है। इन्होंने राष्ट्रीय आन्दोलन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। 1941 ई. में व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लेने के कारण इन्हें कारावास जाना पड़ा था। वर्ष 1942 ई. में भारत छोड़ो आन्दोलन में भागीदारी के कारण गोपीनाथ बोरदोलाई को पुनः सज़ा हुई। गोपीनाथ ने असम के विकास के लिए अथक प्रयास किये थे। उन्होंने राज्य के औद्योगीकरण पर विशेष बल दिया और गौहाटी में कई विश्वविद्यालयों की स्थापना करवायी। असम के लिए उन्होंने जो उपयोगी कार्य किए, उनके कारण वहाँ की जनता ने उन्हें 'लोकप्रिय' की उपाधि दी थी। वस्तुतः असम के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

जन्म एवं शिक्षा

गोपीनाथ बोरदोलोई प्रगतिवादी विचारों वाले व्यक्ति थे तथा असम का आधुनिकीकरण करना चाहते थे। गोपीनाथ बोरदोलाई का जन्म 10 जून, 1890 ई. को असम में नौगाँव ज़िले के रोहा नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम बुद्धेश्वर बोरदोलोई तथा माता का नाम प्रानेश्वरी बोरदोलोई था। इनके ब्राह्मण पूर्वज उत्तर प्रदेश से जाकर असम में बस गए थे। जब ये मात्र 12 साल के ही थे, तभी इनकी माता का देहांत हो गया था। गोपीनाथ ने 1907 में मैट्रिक की परीक्षा और 1909 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा गुवाहाटी के कॉटन कॉलेज से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) चले गए। कलकत्ता में बी.ए. करने के बाद 1914 में उन्होंने एम.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की। तीन साल उन्होंने क़ानून की शिक्षा ग्रहण करने के बाद गुवाहाटी लौटने का निश्चय किया।

क्रांतिकारी जीवन में प्रवेश

गुवाहाटी लौटने पर गोपीनाथजी सोनाराम हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक पद पर कार्य करने लगे। 1917 में उन्होंने वकालत शुरू की। यह वह जमाना था, जब राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने देश की आजादी के लिए अहिंसा और असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया था। अनेक नेताओं ने उस समय गाँधीजी के आदेश के अनुरूप सरकारी नौकरियाँ छोड दी थीं और असहयोग आन्दोलन में कूद पडे थे। गोपीनाथ बोरदोलोई भी बिना किसी हिचक से अपनी चलती हुई वकालत को छोडकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। इस समय उनके साथ असम के अन्य नेता भी स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने लगे। इन नेताओं में प्रमुख थे- नवीनचन्द्र बोरदोलोई, चन्द्रनाथ शर्मा, कुलाधार चलिहा, तरुणराम फूकन आदि। वकालत छोडने के बाद के बाद सबसे पहले गोपीनाथजी ने दक्षिण कामरूप और गोआलपाड़ा ज़िले का पैदल दौरा किया। इस दौरे में तरुणराम फूकन उनके साथ थे। उन्होंने जनता को संदेश दिया कि- वे विदेशी माल का बहिष्कार करें, अंग्रेज़ों के काम में असहयोग करें और विदेशी वस्त्रों के स्थान पर खद्दर धारण करें। विदेशी वस्त्रों की होली के साथ-साथ खद्दर के लिए चरखे और सूत कातें। इसका परिणाम यह हुआ कि गोपीनाथ बोरदोलोई और उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें एक वर्ष कैद की सजा दी गई। उसके बाद से उन्हने अपने आपको पूरी तरह देश के स्वतन्त्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया।

कांग्रेस सदस्य

1926 में गोपीनाथ बोरदोलोई ने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। उन्होंने कांग्रेस के 41वें अधिवेशन में भाग लेने के बाद जहाँ अपनी लोकप्रियता में वृद्धि की, वहाँ वे सामाजिक जीवन से भी अधिक जुडते गए। 1932 में वे गुवाहाटी के नगरपालिका बोर्ड के अध्यक्ष चुने गए। उस समय असम की स्थिति एक पिछडे प्रदेश की थी। न तो उसका अपना पृथक् उच्च न्यायालय था, न ही कोई विश्वविद्यालय। गोपीनाथजी के प्रयत्नों से यह दोनों बातें सम्भव हो सकीं। 1939 में जब कांग्रेस ने प्रदेश विधान सभाओं के लिए चुनाव में भाग लेने को निश्चय किया तो गोपीनाथ बोरदोलोई असम से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए और मुख्यमंत्री बने। उसके बाद से वे पूरी तरह से असम की जनता के लिए समर्पित हो गए। वे शेर-ए-असम ही नहीं थे, भारत-रत्न भी थे।

विश्वविद्यालयों की स्थापना

1929 ई. में सरकारी विद्यालयों में राजनीतिक गतिविधियों पर रोक के संबंध में सरकार का आदेश निकला, तो गोपीनाथ बोरदोलोई ने ऐसे विद्यालयों के बहिष्कार का आंदोलन चलाया। परंतु वे शिक्षा के महत्त्व को समझते थे। उनके प्रयत्न से गौहाटी में कामरूप अकादमी और बरुआ कॉलेज की स्थापना हुई। आगे चलकर जब उन्होंने प्रशासन का दायित्व संभाला तो गौहाटी विश्वविद्यालय, असम मेडिकल कॉलेज तथा अनेक तकनीकी संस्थाओं की स्थापना में सक्रिय सहयोग दिया।

जेल यात्रा

1938 ई. में असम में जो पहला लोकप्रिय मंत्रिमंडल बना, उसके मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई ही थे। इस बीच उन्होंने असम में अफ़ीम पर प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक काम किया। विश्वयुद्ध आरंभ होने पर उन्होंने भी इस्तीफ़ा दे दिया और जेल की सज़ा भोगी। युद्ध की समाप्ति के बाद वे दुबारा असम के मुख्यमंत्री बने। स्वतंत्रता के बाद का यह समय नवनिर्माण का काल था।

असम निर्माता

भारत को स्वतन्त्रता देने से पूर्व जिस समय भारत के विभाजन की बात चल रही थी, उस समय असम में गोपीनाथ बोरदोलोई के हाथ में सत्ता थी। ब्रिटिश सरकार की योजना से ऐसा प्रतीत होता था कि असम प्रदेश को कुछ भागों में बाँट कर पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) में सम्मिलित कर दिया जाएगा। गोपीनाथ और उनके साथी यदि समय रहते सजग न होते तो असम आज बंगलादेश को हिस्सा होता। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित व्यक्ति जानते है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश सरकार ने भारत की इच्छा के विपरीत उसे युद्ध का भागीदार बना दिया था। उस समय गांधीजी ने जब असहयोग को नारा दिया तो गोपीनाथ बोरदोलोई के मन्त्रिमण्डल ने त्याग पत्र दे दिया था। विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1946 में असम में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत हुई और गोपीनाथ बोरदोलोई मुख्यमंत्री बने। यहाँ एक विशेष बात उल्लेखनीय है कि उस समय अनेक प्रदेशों के मुख्यमन्त्रियों को प्रधानमन्त्री कहा जाता था। इसी कारण ब्रिटिश सरकार के जितने प्रतिनिधि मण्डल आए, वे सब अलग-अलग प्रदेशों के प्रधानमन्त्रियों से बात करते थे। प्रारम्भ में इस बातचीत में गोपीनाथ बोरदोलोई को इसलिए नहीं बुलाया गया, क्योंकि ब्रिटिश सरकार के प्रतिनिधि उनके भारत समर्थक विचारों से भली प्रकार परिचित थे। ब्रिटिश सरकार की एक बड़ी चाल यह थी कि भारत के विभिन्न भागों को अलग-अलग बाँटने के लिए उन्होंने ग्रुपिंग सिस्टम योजना बनाई। उन्होंने यह योजना कांग्रेस के प्रतिनिधियों के सामने रखी।

उन्हीं दिनों 6 जुलाई और 7 जुलाई को मुम्बई में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। कांग्रेस ने योजना पर विचार किया और दुःख की बात यह है कि कांग्रेसी नेता ब्रिटिश सरकार की चाल को समझ नहीं पाए और उन्होंने योजना के लिए स्वीकृति दे दी। गोपीनाथ बोरदोलोई इस योजना के सर्वथा विरुद्ध थे। उनका कहना था कि असम के सम्बन्ध में जो भी निर्णय किया जाएगा अथवा उसका जो भी संविधान बनाया जाएगा, उसका पूरा अधिकार केवल असम की विधानसभा और जनता को होगा। वे अपने इस निर्णय पर डटे रहे। उनकी इसी दूरदर्शिता के कारण असम इस षड़यंत्र का शिकार होने से बच सका। गोपीनाथ बोरदोलोई ने अपने देश के प्रति सच्ची निष्ठा के कारण भारतीय स्तर के नेताओं में इतना महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया था कि वे इनकी बात मानने को तैयार हुए। इस प्रकार असम भारत का अभिन्न अंग बना रहा। यही कारण है कि भारत और असम के लोग उनके इस महत्त्वपूर्ण कार्य को समझ सके। असम के लोग आज बड़े प्यार से गोपीनाथ बोरदोलोई को शेर-ए-असम के नाम से पुकारते हैं।

ट्रंप टैरिफ होगा बेअसर, GST Reforms से 8% के पार हो जाएगी भारत की GDP ग्रोथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 सितंबर को वित्त मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके GST Reforms 2.0 की मंजूरी की जानकारी दी और दिवाली ही नहीं नवरात्रि से पहले ही आम जनता को बड़ी सौगात दे दी। इस जीएसटी रिफॉर्म से भारत की जीडीपी ग्रोथ 8 फीसदी को पार कर सकती है। अभी हाल ही में जारी हुए वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के आंकड़े शानदार रहे थे। पहली तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह बहुत ज्यादा थी। अब एक्सपर्ट्स का मानना है कि जीएसटी दरों में हुए ऐतिहासिक बदलाव के बाद भारत की जीडीपी ग्रोथ 8 फीसदी को टच कर सकती है। इसके साथ ये सुधार ट्रंप टैरिफ के प्रभाव को कम करेंगे।

जीएसटी में हुए बदलाव के बाद भारत की अर्थव्यवस्था जिस रफ्तार से आगे बढ़ेगी उसे देखकर ट्रंप से लेकर चीन तक सब परेशान होंगे। क्योंकि आने वाले समय में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8 फीसदी को पार सकती है।

22 सितंबर से नई जीएसटी दरें लागू होंगी, जिनमें 5% और 18% की दो स्लैब संरचना होगी। वहीं, सिन और लग्जरी वस्तुओं पर 40% का विशेष स्लैब बनाया गया है। इसका मतलब है कि 12% और 28% की स्लैब समाप्त हो जाएँगी, और कई हानिकारक और महंगी, गैर-जरूरी वस्तुओं पर अधिक टैक्स लगेगा। ये दरें 22 सितंबर 2025 से लागू हो जाएंगे।

अर्थशास्त्री बोले 8 फीसदी तक जाएगी भारत की जीडीपी ग्रोथ- हीरानंदानी और नारेडको नेशनल के अध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी ने जीएसटी में हुए बदलाव पर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कहा, GST Reforms भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक त्यौहारी तोहफा और अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक बढ़ावा है। क्रय शक्ति बढ़ाकर, उपभोग को प्रोत्साहित करके और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद करके, यह सुधार एक गुणक प्रभाव पैदा करता है जो भारत की जीडीपी वृद्धि को 8% से ऊपर ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के दौर में, इस तरह का राजकोषीय प्रोत्साहन हमारी घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करता है और भारत के विकास पथ में विश्वास को मजबूत करता है।

सेमीकंडक्टर कंपनी के शेयर परफॉर्मेंस ने चौंकाया, 4 दिन में 64% उछला भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में लिस्टेड कंपनी- SPEL सेमीकंडक्टर के शेयर में गुरुवार को रॉकेट सी तेजी थी। सप्ताह के चौथे दिन इस कंपनी के शेयर में 10 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा और इंट्रा-डे में 206.90 पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा कारोबारी दिन है जब शेयर में अपर सर्किट लगा है। बता दें कि पिछले चार कारोबारी दिनों में इस माइक्रोकैप कंपनी के शेयर की कीमत 29 अगस्त, 2025 के 126.45 के स्तर से 64 प्रतिशत बढ़ गई है। 17 सितंबर 2024 को यह शेयर ?239.50 तक गया था, जो 52-सप्ताह का हाई है। 30 जून 2025 तक SPEL सेमीकंडक्टर के पास कुल 46.12 मिलियन बकाया इक्विटी शेयर हैं। कंपनी में प्रमोटरों की 59.17 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसके अलावा 40.83 प्रतिशत हिस्सेदारी रिटेल इंडिविजुअल्स शेयरहोल्डर्स (38.06 प्रतिशत) और अन्य (2.77 प्रतिशत) के पास थी। SPEL सेमीकंडक्टर की बात करें तो इंटीग्रेटेड सर्किट चिप्स की वेफर सॉर्टिंग, असेंबली, टेस्ट और ड्रॉप-शिपमेंट सर्विसेज में सक्रिय है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी का आउटलुक अच्छा है और SPEL की योजना यूरोप और अमेरिका के क्षेत्रों से नए कस्टमर जोड़ने की है।

सरकार ने शुरू की सब्सिडी वाले प्याज की बिक्री, 50 में खरीद लेंगे इतने किलो, आपके शहर में मिलेगा या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई राज्यों में बाढ़ के चलते सप्लाई चेन में दिक्कत और फसल खराब होने से प्याज के दाम बढ़ने लगे हैं। इसीलिए केंद्र सरकार ने किफायती रेट पर प्याज उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद में 24 रुपये प्रति किलो के रियायती (सब्सिडी) वाले रेट पर प्याज की बिक्री शुरू की है।

इसके लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि इन शहरों में सहकारी संस्थाओं नेफेड (नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया), एनसीसीएफ (नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) और केंद्रीय भंडार के जरिए बफर स्टॉक से लगभग 25 टन प्याज बेचा जाएगा।

जोशी ने कहा कि जिन स्थानों पर प्याज की रिटेल कीमत 30 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हैं, वहां प्याज 24 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचा जाएगा। सब्सिडी वाले प्याज की बिक्री शुक्रवार से चेन्नई, गुवाहाटी और कोलकाता तक बढ़ा दी जाएगी और दिसंबर तक जारी रहेगी।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 28 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि कुछ शहरों में यह 30 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर था।

सरकार के पास कितना बफर स्टॉक- सरकार के पास तीन लाख टन प्याज का बफर स्टॉक है। यह प्याज वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 15 रुपये प्रति किलो की औसत कीमत पर मूल्य स्थिरीकरण कोष योजना के तहत खरीदा गया था।

जोशी ने कहा कि बफर स्टॉक से प्याज का नपा-तुला और लक्षित निपटान, खाद्य महंगाई को कंट्रोल करने और स्थिर प्राइस सिस्टम बनाए रखने के सरकार के प्रयासों का एक तरीका है।

जोशी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता खाद्य महंगाई को नियंत्रण में रखना है। उन्होंने कहा कि कीमतों को स्थिर रखने के उपायों के जरिए कई तरह के प्रयासों ने हाल के महीनों में महंगाई को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बीमा कंपनियों को 21 सितंबर के बाद लौटाना होगा इनपुट टैक्स क्रेडिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी काउंसिल ने हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर टैक्स खत्म करने का फैसला किया है। यह 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। लेकिन बीमा कंपनियों के लिए एक पेंच है कि 21 सितंबर 2025 तक उनका जो भी इनपुट टैक्स क्रेडिट जमा होगा, वह उन्हें लौटाना पड़ेगा।

अभी बीमा प्रीमियम पर पॉलिसी धारकों को 18% जीएसटी चुकाना पड़ता है, लेकिन 22 सितंबर से नई दरें लागू होने के बाद प्रीमियम पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसका सीधा फायदा बीमा खरीदने वालों को मिलेगा।

क्या है वित्त मंत्रालय का ख्रक्त- जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद वित्त मंत्रालय ने जो सवाल-जवाब जारी किए हैं, उसमें बताया गया है कि टैक्स दरों में बदलाव के बाद जिन बिजनेस के लिए आगे की सप्लाई (आउटवार्ड सप्लाई) पर टैक्स खत्म किया गया है, उन्हें अपने खाते में जमा इनपुट टैक्स क्रेडिट को रिवर्स करना पड़ेगा।

ख्रक्त के अनुसार पुराने इनपुट टैक्स क्रेडिट का इस्तेमाल वस्तुओं या सेवाओं की आउटवार्ड सप्लाई में 21 सितंबर तक ही किया जा सकता है। नई दरें लागू होने की तारीख, 22 सितंबर अथवा उसके बाद जो भी सप्लाई होगी, उसके बाद सीजीएसटी एक्ट 2017 के प्रावधानों के मुताबिक इनपुट टैक्स क्रेडिट को रिवर्स करना पड़ेगा।

22 सितंबर के बाद होटल बुक कराने में फायदा, रूम किराये पर कम हुआ GST, अब इतना पैसा बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी काउंसिल ने सामानों के साथ-साथ सेवाओं पर भी जीएसटी की दरों को कम किया है। ऐसे में अब होटल में ठहरना काफी सस्ता हो जाएगा। अगर आप इस त्योहारी सीजन या विंटर में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो होटल बुक करने के लिए 22 सितंबर तक इंतजार कर सकते हैं। दरअसल, सरकार ने बजट होटल वाले रूम पर जीएसटी की दरों को कम कर दिया है, और नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। आइये आपको बताते हैं आखिर होटल रूम पर अब जीएसटी कितना कम होगा और इसकी नई दरें क्या हैं।

होटल पर रूम पर GST की दरें- जीएसटी काउंसिल ने 7,500 रुपये प्रति यूनिट प्रतिदिन या उसके बराबर मूल्य वाले होटल आवास सर्विसेज पर जीएसटी को 12% से घटाकर 5% कर दिया है। खास बात है कि पहले होटल रूम पर इनपुट क्रेडिट कॉस्ट के साथ 12 फीसदी जीएसटी लगता था लेकिन अब यह दर बिना ITC के 5 प्रतिशत होगी।

मिड साइज और बजट होटल के रूम किराये में जीएसटी की दरों में यह बदलाव टूरिज्म सेक्टर के लिए बड़ी सौगात है। क्योंकि, इससे घरेलू यात्रियों के लिए मध्यम श्रेणी के होटल रूम अधिक किफायती हो जाएंगे। टूरिज्म व होटल सेक्टर को जीएसटी काउंसिल के इस फैसले से काफी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

क्योंकि, जीएसटी की दरों के कम होने डिमांड व खपत में सुधार होने की उम्मीद है, खासकर टियर II और टियर III शहरों में। इस कदम से होटल को भी लाभ होगा क्योंकि इससे होमस्टे जैसे अनरजिस्टर्ड ऑप्शन की तुलना में उनके होटल रूम और ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। बता दें कि जीएसटी काउंसिल ने 3 सितंबर को सैंकड़ों सामानों पर जीएसटी की दरों को घटाया है। इनमें कार, बाइक, सीमेंट, खाने-पीने की वस्तुएं समेत अन्य प्रोडक्ट्स शामिल है।

कैसे थीमैटिक म्यूचुअल फंड के साथ मैक्रो ट्रेंड का फायदा उठाएं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब हम इक्विटी में निवेश के बारे में सोचते हैं, तो हम आमतौर पर बढ़ता कैश फ्लो, हाई मैनेजमेंट क्वालिटी और एक विश्वसनीय ब्रांड के साथ फंडामेंटली स्ट्रॉन्ग बिजनेस के बारे में विचार करते हैं। यह एक बॉटम-अप रिसर्च है। लेकिन निवेश जितना बॉटम-अप एनालिसिस पर आधारित होता है, उतना ही टॉप-डाउन रिसर्च पर भी।

टॉप-डाउन रिसर्च में व्यापक रूप से आर्थिक और बाजार की स्थितियों को देखा जाता है। ख्रक्त ग्रोथ, इंटरेस्ट रेट साइकिल, महंगाई, एक्सचेंज रेट, ग्लोबल ग्रोथ एनवायरमेंट और पॉलिसी डायरेक्शन जैसे मैक्रो ट्रेंड को समझने से निवेशकों को यह पहचानने में मदद मिलती है कि कौन से सेक्टर्स के अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है और किन सेक्टर्स को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सतना में चक्रवाती तूफान का तांडव, 60 घरों को भारी नुकसान

सतना। जिला के सिंहपुर क्षेत्र में बुधवार की शाम आए चक्रवाती तूफान ने तबाही मचा दी। उसरार इलाके में तेज आंधी और तूफानी हवाओं ने करीब 60 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। कई घरों की खपरैल उड़ गई, जबकि कुछ मकानों को भारी क्षति पहुंची है। तूफान के चलते पेड़ धराशायी हो गए और कई जगहों पर मार्ग अवरुद्ध हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, शाम अचानक तेज हवाएं चलने लगीं, जिसके बाद देखते ही देखते घरों की छतें उड़ने लगीं और पेड़ गिरने लगे। इस आपदा से ग्रामीण दहशत में आ गए और कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी। हालांकि, इस घटना में जनहानि की कोई सूचना नहीं है, लेकिन आर्थिक नुकसान काफी बड़ा माना जा रहा है।

पीड़ितों के बीच पहुंची राज्यमंत्री-घटना की जानकारी मिलते ही राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सिंहपुर क्षेत्र के उसरार गांव पहुंचीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें ढाढ़स बंधाया। प्रतिमा बागरी ने कहा कि सरकार हर संभव मदद उपलब्ध कराएगी और प्रभावित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। वहीं, प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंचा और नुकसान का प्राथमिक आकलन किया। ग्रामीणों को तिरपाल, भोजन और तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। पीड़ित परिवारों को आपदा प्रबंधन के नियमों के अनुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी।

कई साल में पहली बार आया तूफान-ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों में इस तरह का तूफान क्षेत्र में पहली बार आया है, जिसने एक साथ इतने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया हो। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन स्थायी समाधान के उपाय करे तो भविष्य में इस तरह की आपदाओं के असर को कम किया जा सकता है।

धार में आरक्षक रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

धार। लोकायुक्त पुलिस ने धार जिले में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरक्षक अशोक मौर्य को रिश्वत मांगने के आरोप में रंगेहाथ पकड़ा है। शिकायतकर्ता कमल भूरिया निवासी ग्राम बिमरोड, तहसील सरदारपुर ने लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके भाई से जुड़े एक प्रकरण में ग्राम पंचायत और दोनों पक्षों के बीच राजीनामा हो चुका था। इसके बावजूद थाना सरदारपुर की चौकी रिंगनोद में पदस्थ आरक्षक अशोक मौर्य ने उससे पुलिस कार्रवाई पूरी करने के नाम पर 50,000 की रिश्वत मांगी।

आरोपी ने शिकायतकर्ता पर दबाव बनाकर मौके पर ही 20,000 वसूल लिए और गाड़ी व मोबाइल अपने पास रख लिए। साथ ही शेष 30,000 देने पर ही वाहन और मोबाइल लौटाने की बात कही। इस पर आवेदक ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई।

सत्यापन के दौरान आरोप सही पाए गए। इसके बाद 3 सितंबर 2025 को लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आरक्षक को शेष ?30,000 रिश्वत मांगते ही पकड़ लिया। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी आरक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ओंकारेश्वर बांध के 23 गेटों में से 21 गेट 35.5 मीटर तक खोलें गए, नर्मदा नदी उफान पर; प्रशासन हुआ अलर्ट

खंडवा। प्रदेश में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। गुरुवार को इंदिरा सागर बांध के 12 गेट खोले गए, वहीं ओंकारेश्वर बांध से 21 गेटों के जरिए कुल 35.5 मीटर ऊंचाई तक खोले गए एवं10,533 क्यूमेक्स पानी नर्मदा नदी में छोड़ा गया। दोनों ही बांधों का जलभराव क्षमता से ऊपर नर्मदा नदी का जलस्तर वर्तमान में खतरे के निशान से केवल डेढ़ मीटर नीचे है। दोनों ही बांधों का जलभराव क्षमता से ऊपर पहुंच चुका है, जिसके चलते गेट खोलकर पानी निकाला जा रहा है। यह इस वर्ष का मात्र दो दिन में पांचवां अवसर है जब बांध प्रबंधन को गेट खोलने पड़े हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि नर्मदा नदी के ऊपरी हिस्सों से कितनी अधिक मात्रा में पानी आ रहा है। खतरे की स्थिति

लगातार हो रही वर्षा और ऊपरी क्षेत्रों से आ रहे प्रवाह के कारण नर्मदा नदी उफान पर है। ओंकारेश्वर से आगे खंडवा और खरगोन जिले में बसे नर्मदा किनारे के गांवों और कस्बों के लिए स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण बन गई है। यदि वर्षा का सिलसिला जारी रहा और गेटों की संख्या व ऊंचाई और बढ़ाई गई तो नदी का जलस्तर और ऊपर जा सकता है। वर्तमान में नर्मदा नदी का जल स्तर 162,500 तक पहुंच गया है।

रतलाम में तूफानी बारिश- निचली बस्तियां डूबीं, कई घर तबाह, रेलवे ट्रैक भी लबालब, लोगों ने छत पर बिताई रात

रतलाम। जिले में गुरुवार तड़के करीब छह बजे से सुबह साढ़े नौ बजे तक तूफानी बारिश हुई। इससे रतलाम शहर सहित जिले के कई नगरों व गांवों की निचली बस्तियों, सड़कों व घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों का काफी नुकसान हुआ। वहीं ग्राम पलसोड़ा डूब सा गया और लोगों को घरों की छतों पर जाना पड़ा। रतलाम शहर के चिंगीपुरा में दो मंजिला मकान तथा नामली टप्पा तहसील के ग्राम घटवास में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। नदी-नाले ऊफान पर आने से कई मार्गों पर यातायात बाधित हो गया। वहीं जिले का प्रमुख धोलावड़ डैम लबालब हो गया और पानी निकालने के लिए उसके पांच गेट खोले गए। चार दिन पहले डैम के तीन गेट खोले गए थे।रतलाम जिले में पहले से मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी देकर यलो अलर्ट जारी किया था।

इस कारण कलेक्टर ने तीन सितंबर को ही आदेश जारी कर 4 सितंबर को आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया था। चेतावनी सही साबित हुई और 4 सितंबर को सुबह जोरदार बारिश हुई। बारिश के चलते रेलवे स्टेशन व आसपास केक्षेत्रों में रेलवे ट्रेक पर पानी भर गया तथा प्लेटफॉर्म नंबर चार पर भी पानी भर गया। बड़ावदा नगर में एक मकान के पास नीम का पेड़ धराशाही हो गया, इससे उसके आसपास लगी बिजली की केबल भी टूट गई। शहर की पाश कॉलोनी राजबाग के साथ ही पीएंडटी नगर, जवाहर नगर, लक्ष्मणपुरा सहित अनेक मोहल्ले व कालोनियों में जलभराव हो गया तथा कई घरों में पानी घुस गया। शहर के महू रोड रोड़वेज बस स्टैंड परिसर में भी पानी घुस गया तथा जलभराव होने से यात्रियों व वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। जिले में दोपहर तक कई स्थानों पर रिमझिम बारिश हो रही थी।

उधर, नामली थाना क्षेत्र के ग्राम घटवास में सुबह आठ से नौ बजे के बीच बारिश के दौरान तेज हवा चलने व चक्रवात आने से करीब 15 मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से कई मकानों के बाहर लगे शेड व पतरे उड़ गए, कई मकानों के ढालिये धराशायी हो गए तथा तीन पक्के निर्माणाधीन माकों की छत तक क्षतिग्रस्त होकर गिर गई। छते कुछ दिन पहले ही भरी गई थी।24 घंटे में करीब दो इंच बारिश

रतलाम जिले में मानसून सक्रिय बना हुआ है और पिछले करीब 22 दिन से जिले के अधिकांश क्षेत्रों में रुक-रुक कर रिमझिम व तेज बारिश हो रही है। जिले में 1 जून 2025 से अब तक 42.46 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले वर्ष इस अवधि तक 34.06 इंच ही बारिश हुई थी। जिले में गुरुवार सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में करीब दो इंच बारिश हुई। वहीं जिले की आठ तहसीलों में से सैलाना तहसील में अब तक रिकॉर्ड 68.34 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि रावटी तहसील में 54.01, जावरा में 46.14, पिपलौदा में 43.74, रतलाम में 42.24, आलोट में 28.97, आलोट में 32.67 व ताल तहसील में सबसे कम 21.85 इंच बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले वर्ष इस अवधि तक सैलाना तहसील में 39.25, रावटी में 37.36, बाजना में 45.03, पिपलौदा में 21.96, रतलाम में 34. 37, जावरा में 33.58, आलोट में 32.67 व ताल तहसील में 28.22 इंच बारिश हुई थी।

एक-दूसरे के लिए विक्रेता और खरीददार बनकर फर्जी बिलों की जीएसटी चोरी

भोपाल। प्रदेश में फर्जी बिलों से जीएसटी चोरी का इस वर्ष दूसरा बड़ा रैकेट उजागर हुआ है। राज्य जीएसटी विभाग और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) लेने के नए-नए तरीके पता चले हैं। ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जिनमें करोड़ों रुपये के लेन-देन में कारोबारी एक-दूसरे के लिए खरीददार और विक्रेता बन गए। पहले एक ने डेढ़ करोड़ रुपये की सीमेंट दूसरे को बेचना दिखाया। इसके बाद दूसरे ने लगभग इतनी ही कीमत का माल पहले को बेचने का बिल तैयार किया। अभी तक ऐसे 25 से अधिक फर्जी बिल मिल चुके हैं। यह आंकड़ा 150 तक पहुंचने के आसार हैं। बता दें कि ईओडब्ल्यू रीवा और जीएसटी विभाग की टीम ने मंगलवार को प्रदेश के 12 जिलों में 16 स्थानों पर छापे की कार्रवाई की थी। अभी तक इसमें 20 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता चला है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि यह आंकड़ा और बढ़ेगा। टीम ने सबसे पहले सिंगरौली में एक सीए के यहां छापा मारा था।

यहां मिले दस्तावेजों की जांच व पूछताछ के बाद सिंगरौली में नौ, भोपाल में तीन, इंदौर में दो, छतरपुर में एक, ग्वालियर में एक स्थान पर छापे की कार्रवाई हुई। कुछ ऐसी फर्मों के नाम भी बिलों में मिले हैं जो मौके पर हैं ही नहीं। यानी फर्जी नाम से फर्म बनाकर बोगस बिलिंग की गई।

अभी ऐसी तीन फर्म मिली हैं। इस मामले में 20 से अधिक लोगों पर ईओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज करने की तैयारी की है। इसके बाद गिरफ्तारियां भी की जा सकती हैं। बता दें कि इसके पहले इसी वर्ष फर्जी बिलों से जीएसटी चोरी का बड़ा गिरोह पकड़ा था, जिसमें कोयला कारोबारी भी शामिल थे।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्म जयंती पर राष्ट्रीय अलंकरण सम्मान समारोह

इंदौर। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह एवं गीत संध्या का आयोजन 28 सितम्बर को इंदौर में होगा। अलंकरण समारोह की तैयारियों को लेकर इंदौर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बैठक आयोजित की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि स्वर कोकिला लता मंगेशकर के नाम से प्रतिवर्ष आयोजित राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण सम्मान समारोह इस बार 28 सितम्बर को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम परस्पर नगर इंदौर में सम्पन्न होगा। 28 सितम्बर को स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्म जयंती है। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एवं गीत संध्या का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एक वर्ष संगीत निर्देशन एवं दूसरे वर्ष पार्श्व गायन के क्षेत्र में दिया जाता है। इस क्रम में वर्ष 2024 के लिए यह सम्मान प्रसिद्ध संगीत निर्देशक श्री शंकर-एहसान-लॉय को प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2025 के लिए पार्श्व गायन के क्षेत्र में यह सम्मान प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री सोनू निगम को दिया जाएगा। अलंकरण के उपरान्त पार्श्व गायक श्री अंकित तिवारी एवं उनके दल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

संभागायुक्त श्री सिंह ने आगे कहा कि राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण समारोह एवं गीत संध्या के तहत स्वर कोकिला लता मंगेशकर के जीवन वृत पर केन्द्रित एक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। यह आयोजन दो दिवसीय होगा। पहले दिन सुगम संगीत प्रतियोगिता होगी, जिसमें संगीत के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। इसी दिन दोपहर को स्थानीय स्तर के संगीत कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल लता मंगेशकर ऑडिटोरियम पर पर्याप्त प्रकाश, जनरेटर, शुद्ध पेयजल, एवं बुनियादी सुविधाएं, स्वच्छता, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड सुनिश्चित की जाए। साथ ही पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जाए। बैठक में निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, संस्कृति संचालनालय भोपाल श्री एन.पी. नामदेव, आईडीए के सीईओ श्री आर. पी. अहिरवार, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक श्री संतोष कुमार कौल, संस्कृतिकर्मी श्री जयंत भिसे, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवा डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधव हसानी, शासकीय संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रकाश कडोतिया, आईडीए के कार्यपालन यंत्री श्री राकेश अवासे, खाद्य विभाग के अधिकारी श्री गामड़ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांवेर में 133 करोड रूपये की लागत से 78 किलोमीटर में बनेगी 15 नवीन सडकें, मिली प्रशासकीय स्वीकृति

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से सांवेर क्षेत्र के नागरिकों को अनुपम सौगात मिली है। सांवेर ग्रामीण क्षेत्र में 133 करोड रूपये की लागत से 78 किलोमीटर में 15 नवीन सडकों की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है, जिससे सांवेर के 50 से अधिक गांवों के एक लाख लोगों को लाभ होगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जानकारी देते हुए बताया कि सांवेर ग्रामीण क्षेत्र में 133 करोड की लागत से 78 किलोमीटर में 15 नवीन सडकों की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है, जिससे लगभग सांवेर के 50 से अधिक गांवों के एक लाख लोगों को लाभ होगा। इन क्षेत्रों में काफी समय से सडक निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे मुख्यमंत्री जी और लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा वित्तीय व्यय समिति की 292वीं बैठक में अनुमोदित कर प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। इन सडकों के निर्माण होने से आगामी सिंहस्थ 2028 में सभी ग्रामीणों को इसका लाभ मिलेगा।

सिंहस्थ 2028 के दृष्टिकोण से बढते यातायात दबाव को देखते हुए चन्द्रावतीगंज से पोटलोद खेडी बलगारा- दयाखेड़ा-चित्तौडा मार्ग, कांकरिया बोर्डिया से जम्बूडी सरवर (जिन्दाखेडा पालकांकरिया), शिवनी से बावल्याखुर्द (व्हाया दिग्वाल जूना बावल्या), अजनोद से पालकांकरिया (बालोदाटाकुन मार्ग), पुवार्डाहप्पा से हतुनिया, लालाखेड़ा-कायस्थखेड़ी से खण्डेलवाल गोदाम बायपास मार्ग, पुवार्डादाई से हनुमान मंदिर सांवेर क्षिप्रा, पंचौला जेल से मंडोत मार्ग, कांकरिया बोर्डिया से सगवाल मार्ग, हांसाखेड़ी से बरोदापंथ मार्ग, चित्तौडा गौशाला पहुंच मार्ग, बडोदिया ऐमा से मुरादपुरा कांकड़ मार्ग, बरोदा दौलत से मेन रोड से खुडैल सेमलियाचाऊ खेमाना फाटा, गारीपिपल्या से खुडैलखुर्द मार्ग, गोगाखेड़ी से धतुरिया मार्ग, सडक मार्ग का निर्माण किया जायेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने दो बच्चों की डूबने से हुई दुखद मृत्यु पर व्यक्त किया शोक

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में दो बच्चों की डूबने से हुई मृत्यु पर उनके निवास पर परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया है। मंत्री श्री सिलावट ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

उन्होंने बताया कि घटना में मृत हुए दोनों बच्चों पटेल नगर रेवती सांवेर के प्रिन्स पिता मुकेश दिवनिया उम्र (14) वर्ष तथा शिवराज तंवर उम्र (15) वर्ष पिता श्री मोती सिंह के परिजनों को शासन द्वारा चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दुखद घटना के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं शासन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

इंदौर संभाग में संभागायुक्त के निर्देशन में पराली प्रबंधन का नया तंत्र होगा विकसित

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने नरवाई (पराली) जलाने की क्रियाओं में पूरी तरह रोकथाम के लिए इंदौर संभाग में नया तंत्र विकसित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने की शुरूआत की है। इस नये तंत्र में एनडीआरएफ, पुलिस और वन विभाग को भी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित की जाएगी। बुधवार को आयोजित हुई एक बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने डिविजन कमांडेंट होमगार्ड श्री बी.पी. वर्मा को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि नरवाई न जलाने के लिए जागरूकता के कार्यक्रम के अलावा ऐसी तकनीक विकसित करनी होगी जिससे पराली जलाने की क्रियाओं को पूरी तरह रोका जा सकें। यह कार्य सिर्फ कृषि विभाग से संभव नहीं है। अब इसमें एनडीआरएफ के अमले के साथ ही वन विभाग की आग पर काबू पाने की तरकिबों का भी उपयोग इसके लिए किया जाएगा। इसके अलावा पुलिस विभाग और पंचायत विभाग भी इस कार्य में एक महत्वपूर्ण कढ़ी साबित हो सकता है। इन सब विभाग को मिलकर दायित्व सौंपे जाएंगे, इसमें जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का गठन कर संचार की व्यवस्थित रूपरेखा तैयार होगी।

वन विभाग और एनडीआरएफ के अमले को प्रशिक्षित कर कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा- संभागायुक्त श्री सिंह ने पराली प्रबंधन के संबंध में संयुक्त संचालक कृषि श्री आलोक मीणा से कहा कि इंदौर में हार्वेस्टर का अत्यधिक इस्तेमाल होने के साथ ही अन्य कारणों से बड़ी संख्या में नरवाई/पराली शेष बचती है। इसके लिए नये व महत्वपूर्ण विभागों को जोड़ते हुए प्रशिक्षण दिया जाए। इसके पश्चात उस अमले का क्षेत्र में उपयोग करने के लिए कंट्रोल रूम से जोड़ा जाए, जिससे उनकी सेवा का लाभ सीधे तौर पर प्राप्त किया जा सकें। इस संबंध में एक समिति बनायी जाएगी जो जिलों में हार्वेस्टर से फसलों की कटाई, हैप्पी व सुपर सीड़र की उपलब्धता के साथ ही गत वर्षों में प्राप्त हुई सेटेलाईट इमेज की समीक्षा कर तैयारी की जाएगी। नरवाई प्रबंधन के लिए संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा कलेक्टर्स को भी इस संबंध में विशेष रूप से कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा जाएगा।

बैठक में उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, होमगार्ड श्री बी.पी. वर्मा, संयुक्त संचालक कृषि श्री आलोक मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

जिला प्रशासन, उर्वरक उपलब्धता और वितरण के संबंध में किसान संगठनों से निरंतर सम्पर्क और संवाद बनाए रखें

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिलों में उर्वरक वितरण के संबंध में जिला प्रशासन आवश्यक व्यवस्था बनाए। उपलब्ध उर्वरक की उचित वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से निरंतर संवाद और संपर्क में रहे। उर्वरक वितरण की व्यवस्था में किसान संगठन के प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाए। जिलों में यदि उर्वरक वितरण को लेकर अव्यवस्था होती है तो उसके लिए जिला कलेक्टर उत्तरदायी होंगे। राज्य सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों और जिलों में उर्वरक वितरण की स्थिति की बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अधिकारी उपस्थित थे। सभी जिले के कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी वर्चुअली जुड़े।

इस दौरान इंदौर से इस बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, कमांडेंट होमगार्ड श्री बी.पी. वर्मा, संयुक्त संचालक कृषि श्री आलोक मीणा, विपणन अधिकारी श्री अर्पित तिवारी, सहकारिता अधिकारी श्री बी.एल. मकवाना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में उर्वरक उपलब्धता की सघन समीक्षा की जाए। साथ ही जिले में उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा करें, इससे किसानों को जिले में उर्वरक उपलब्धता की वास्तविक स्थिति से अवगत कराने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन डबल लॉक, पैक्स और निजी विक्रय केंद्रों का आकस्मिक सत्यापन और उनकी मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से करें। अतिरिक्त विक्रय केन्द्र की आवश्यकता होने पर उनका संचालन तत्काल आरंभ किया जाए।

पीआईईएमआर में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ दीक्षारंभ

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च में अभियांत्रिकी दीक्षारंभ इन्वोकेशन सेरेमनी 2025 का आयोजन किया गया।

नवप्रवेशी छात्रों को सम्बोधित करते हुए संस्थान के वरिष्ठ निदेशक डॉ. मनोज कुमार देशपांडे ने प्रेस्टीज समूह की उपलब्धियों और संस्थापक पद्मश्री नेमनाथ जैन के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को एआई, प्रोग्रामिंग और स्किल डेवलपमेंट अपनाने की प्रेरणा दी।

डॉ. राजीव रघुवंशी ने भगवद्गीता और कविता के माध्यम से दृष्टिकोण और शिष्टाचार को ज्ञान के समान ही महत्वपूर्ण बताया। नीरज सहाय, निदेशक, एसएसआर ग्लोबल स्किल पार्क, भोपाल ने अभियांत्रिकी को जिज्ञासा और नवाचार आधारित क्षेत्र बताते हुए विद्यार्थियों को कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान किया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण डॉ. योगेश ब्रह्मणकर, नवाचार निदेशक (शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली) का प्रेरणादायी सत्र रहा, जिसमें उन्होंने सहानुभूति, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमशीलता की अहमियत पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का समापन परंपरागत ÷दीक्षा बंधन÷ के साथ हुआ। संचालन प्रो. कीर्ति पत्वर्धन् ने किया और आभार डॉ. हेमंत शर्मा ने व्यक्त किया।

डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन के विशेष जागरूकता अभियान के तहत एक्रोपोलिस कॉलेज में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इंदौर। डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन, महिला बाल विकास विभाग इंदौर एवं एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट्स के वुमन सेल के संयुक्त तत्वाधान में आज एक्रोपोलिस कॉलेज में महिला उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री रजनीश सिन्हा थे। मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं तथा महिलाओं से संबंधित गतिविधियों एवं कानून जिससे कार्यस्थल पर महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम 2013, shebox, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, वन स्टॉप सेंटर, डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन की विस्तृत जानकारी साझा की। इसके पश्चात डॉ. वंचना सिंह परिहार ने विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़े प्रमुख कानूनों, जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, दहेज निषेध कानून एवं महिला अधिकारों से संबंधित अन्य विधिक प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शहर में संचालित निजी अस्पताल विशेष हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं के ए.एन. सी. पंजीयन व डिलेवरी अपडेशन नही करने के कारण हॉस्पिटल के पंजीयन को 15 दिन के लिये किया निलंबित

उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में गठित दल के सदस्यों जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार ,उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी श्री चरण सिंह मण्डलोई, आर्टिस्ट कम फोटो ग्राफर श्री राजेन्द्र कुमार वाडिया द्वारा गुरुवार 04 सितंबर को शहर के निजी चिकित्सालय विशेष हॉस्पिटल में दोपहर 2:00 बजे औचक निरीक्षण किया गया। विशेष हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं के ए.एन.सी. पंजीयन व डिलेवरी अपडेशन नहीं करने के कारण हॉस्पिटल के पंजीयन को 15 दिन के लिये निलंबित किया गया है। 15 दिवस निलंबन अवधि के दौरान हॉस्पिटल का संचालन करते पाये जाने पर हॉस्पिटल को सील किये जाने की भी चेतावनी दी गई।

विशेष हॉस्पिटल में निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटल में दी जाने वाली सेवाओं एवं मानव संसाधन, रेट लिस्ट की जानकारी चाहने पर उपलब्ध नहीं करवाई गई। हस्ताक्षर रजिस्टर का अवलोकन करने पर हॉस्पिटल में कार्यरत कर्मचारियों की योग्यता संबंधित चिकित्सालयीन कार्य हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार नहीं पाई गई। हॉस्पिटल में बी.एच.एम.एस चिकित्सक द्वारा अपने योग्यता के विपरित मरीजों का उपचार करते हुए पाया गया। हॉस्पिटल के वार्डो में उचित साफ सफाई एवं साफ सुथरी चादरे नहीं पाई गई। निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार हॉस्पिटल का रिकार्ड ठीक नहीं पाया गया। हॉस्पिटल में चस्पा सूची अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता नहीं पाई गई। हॉस्पिटल में ड्यूटी रोस्टर उपलब्ध नहीं पाया गया। आई.डी.एस.पी के अन्तर्गत फार्म एस,फार्म पी व फार्म एल की रिपोर्ट करने के निर्देश दिये गये। अस्पताल में परिलक्षित उक्त अनियमितता पाई जाने के कारण कार्यवाही की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के द्वारा यह भी चेतावनी दी गई है कि जिले में संचालित समस्त प्रायवेट नर्सिंग होम/हॉस्पिटल में भी गर्भवती महिलाओं के ए.एन.सी. पंजीयन व डिलेवरी अपडेशन नहीं करने पर निलंबन की कार्यवाही की जायेगी।

हजरत पैगम्बर साहब एवं सैयदना साहब के मिलाद हर्षोल्लास से मनाया

उज्जैन। दाऊदी बोहरा समाज द्वारा हजरत पैगम्बर मोहम्मद साहब का मिलाद ईदुल-मिलादुन नबी एवं दाऊदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरू हिजहोलिनेस डॉ. सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (तउश) 80 वीं मिलाद का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस्तिसारी कमेटी के नेतृत्व में प्रात: 9 बजे एक शानदार चल समारोह कमरी मार्ग स्थित मजार-ए-नजमी परिसर से निकाला गया। अंजुमज-ए-वजीही के सचिव एवं दाऊदी बोहरा उज्जैन के पीआरओ शेख अली असगर भाई मोअय्यदी ने बताया कि चल समारोह का नेतृत्व पांच अंजुमन के आमिल साहब द्वारा किया गया। चल समारोह का जगह जगह स्वागत किया गया। चल समारोह में आगे बैंड हजरत पैगम्बर साहब की शान में नात एवं कसीदे पढ़ते हुए चल रहे थे। चल समारोह में बग्गी में छोटे छोटे बच्चे सामाजिक वेषभूषा आकर्षण का केन्द्र बने हुए थे। समारोह में जमात के 12 उमूर के पदाधिकारी पारंपारिक वेषभूषा में घोड़े पर बैठ खुशी का इजहार कर रहे थे। तैयबी स्कूल के बच्चे हाथ में बेनर लिए मिलादुन्नबी के जश्न की मुबारकबाद का दे रहे थे। चल समारोह में दाऊदी बोहरा समाज का स्काऊट बैंड टीकेएम, बीजीआई, नजमी स्काऊट ने धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय धुन बजाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। चल समारोह में खुजेमा चांदा भाई वाला, मुला कुतुब फातेमी, मुला हातिम भाई, मुल्ला मेहदी भाई, मुल्ला खोजेमा भाई सिंगापुर वाला, आमिल साहब कुरैश भाई साहब जमाली, आमिल साहब शेख शब्बीर भाई बूंदीवाला, आमिल साहब शेख खोजमा भाई बड़वानी वाला, आमिल साहब तैयबी मोहल्ला शेख नजमुद्दीन भाई बुरहानपुरवाला, मजार-ए-नजमी मैनेजर शेख जोएब भाई अमरावी वाला, शेख युसूफ भाई लतीफ, तैयबी स्कूल के हैडमोओलिम साहब शेख हुसैन भाई सहर, शेख अली असगर भाई मोती वाला आदि।

तिवारी कालोनी में गणेश जी की महाआरती कर 56 भोग लगाया

उज्जैन। तिवारी कालोनी श्रीगणेश पांडाल में रात्रि 9 बजे श्रीगणेशजी की आरती वार्ड 44 की पार्षद नीलम राजा कालरा एवं भाजपा नेता राजा कालरा द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में आशा चौहान और भारती सोनी ने गणेशजी के भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महाआरती एवं गणेशजी को 56 भोग का आयोजन भी किया गया। संचालन सौरभ भारद्वाज ने किया।

देवझूलनी एकादशी के पावन पर्व पर निकली स्वर्णगिरी पर्वत की भव्य परिक्रमा

उज्जैन। प्रतिमाह अनुसार इस माह देव झुलनी एकादशी को स्वर्णागिरी पर्वत की परिक्रमा संतो के सानिध्य में निकली। परिक्रमा नारायणा धाम से पश्चिम दिशा में 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्वर्णगिरी मुखारविंद ग्राम चरणमया चिरमिया से प्रारंभ होकर पूर्व मुखी वीर हनुमान मंदिर आक्याधांगा, श्री राम बालाजी धाम महू , श्री कृष्ण सुदामा धाम नारायणा होते हुए पुनः स्वर्णगिरी मुखारविंद पर पूर्ण हुई।

प्रातः स्वर्णगिरी महाराज का अभिषेक हुआ तत्पश्चात किन्नर अखाड़ा उज्जैन के पीठाधीश्वर संत प्रीति दीदी मां और खुशी मां के हाथों ध्वजारोहण एवं महाआरती संपन्न हुई । इसके बाद शंखनाद के साथ परिक्रमा प्रारंभ हुई भगवान बालकृष्ण को अपनी गोदी में उठाकर पीठाधीश्वर परिक्रमा पर भक्तों के साथ निकले जहां मार्ग में जगह-जगह ग्रामीणजनों ने फलाहारी और जलपान की व्यवस्था कर स्वागत सत्कार किया।

परिक्रमा में हजारों श्रद्धालु बारिश और कीचड़ की परवाह किए बिना उत्साह के साथ भगवान का संकीर्तन करते हुए चल रहे थे। उनकी श्रद्धा और विश्वास के आगे दुर्गम मार्ग भी सुगम बन गया।

यह परिक्रमा प्रतिमाह शुक्ल पक्ष की एकादशी होती है जिसमें अलग-अलग संतों का सानिध्य भक्तों को प्राप्त होता है।

युवा स्वस्थ भारत के लाइट हाउस है

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन जिला शरीर सौष्ठव संस्था द्वारा संचालित तरण ताल स्थित स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र पर विभिन्न व्यायाम उपकरणों पर व्यायाम कर गुणवत्ता को परखा एवं युवा तरुणाई को व्यायाम को आत्मसात करने का संदेश दिया 'स्वस्थ शरीर है तो जीवन के आनंद है'। उल्लेखनीय है कि डॉ. मोहन यादव ने स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र में 20 लाख से भी अधिक आधुनिक व्यायाम उपकरणों की सौगात माह जुलाई में खेल विभाग के माध्यम से प्रदान की थी। आधुनिक व्यायाम उपकरण जिम में स्थापित होने पर स्वयं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जिम पर आए।

3 महीने से बैक्टीरियावाला पानी उज्जैन शहर को पिला रहा पीएचई- रवि राय

पीएचई के पास पानी को शुध्द करने के केमिकल नहीं, निविदाएं जारी कर करके थक गए लेकिन कोई ठेकेदार सेवा देने को तैयार नहीं

उज्जैन। गंभीर डेम इतना भर गया कि उसका पानी बहाना पड़ रहा है, लेकिन उज्जैन शहर की जनता को अब भी एक दिन छोड़कर गंदा, मटमैला, बदबूदार पानी ही नसीब हो रहा है। कई दिनों से पीएचई ऐसा पानी सप्लाय कर रही है जो पानी न तो पीने लायक है और न ही घरेलू उपयोग के लिए उपयुक्त। रोज शिकायतें कर रहे हैं लोग लेकिन किसी भी जिम्मेदार के कान में जूं तक नहीं रेंग रही। लोग पैसे देकर बाहर से पानी खरीदने को मजबूर हैं तो कई लोग पानी उबाल कर पी रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि पिछले 3 महीने से अधिक समय से बैक्टीरिया वाला पानी शहर की जनता को पिलाया जा रहा है। बारिश के मौसम में गंदे पानी में 'टर्बोडिटी' मानक मात्रा से कई गुना बढ़ गई है। वहीं पी.एच.ई. विभाग के पास ना तो क्लोरीन है और ना ही पी.ए.सी. (पॉली एल्युमिनियम क्लोराइड) ना ही ब्लिचिंग यह सभी केमिकल पानी की अशुद्धि को दूर करने के काम आते हैं। नगर निगम का भाजपा बोर्ड ठेकेदारों को भुगतान नहीं कर पा रहे यही कारण है कि 14 लाख मूल्य की 'क्लोरीन' के लिये 10 बार निविदाओं का प्रकाशन हो चुका है लेकिन कोई निविदाकार भाग ही नहीं ले रहा है। 4 लाख मूल्य की ब्लिचिंग के लिये 3 से 4 बार निविदा निकाली जा चुकी है ठेकेदार देने को तैयार नहीं। पी.ए.सी. (पॉली एल्युमिनियम क्लोराइड) प्रदाय करने वाली फर्म का 45 से 50 लाख निगम पर बकाया है। पानी में सिर्फ एलम (फिटकरी) मिलायी जा रही है। गऊघाट सयंत्र के सामने बड़े-बड़े सम्पवेल की 10 वर्षों से सफायी ही नहीं हुई है। इनकी छत जीर्णशीर्ण है उनमें लगे सरिये सड़ चुके हैं, छत का प्लास्टर अंदर ही गिरता रहता है, विभाग के कर्मचारी मौत के भय से इन विशालकाय कुँओं की सफायी करने उतरते नहीं है। जिसके कारण लोगों के घरों में पानी मटमैला और बदबूदार आ रहा है। रवि राय ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह नगर में भाजपा का नगर निगम बोर्ड और हालत इतनी बदतर तो पूरे प्रदेश की क्या हालत हो रही होगी यह सोचकर ही डर लगता है।

ग्रहण काल मंत्रानुष्ठान के लिए श्रेष्ठ समय – ज्योतिषचार्य डॉ सर्वेश्वर शर्मा

उज्जैन। 7 सितंबर रविवार को खग्रास चंद्र ग्रहण उज्जैन में दिखाई देगा।

ज्योतिषाचार्य डॉ सर्वेश्वर शर्मा (सर्वेश गुरुजी) ज्योतिष विभाग, विक्रम विश्वविद्यालय ने बताया कि इस खग्रास चंद्र ग्रहण का आरंभ उज्जैन में रात 9:58 पर होगा। ग्रहण मध्य रात 11:42 पर और ग्रहण मोक्ष (समाप्त) रात 1:26 पर होगा। खग्रास चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटा 28 मिनट है। इस चंद्र ग्रहण के सूतक काल का आरंभ दोपहर में 12:58 से होगा। लेकिन बालक, वृद्ध और रोगी के लिए सूतक नियम पालन आवश्यक नही होता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com